

दो विवली तारपालिका परिषद

मार्गदर्शक। तिथा कालीन,

Digitized by srujanika@gmail.com

Summary

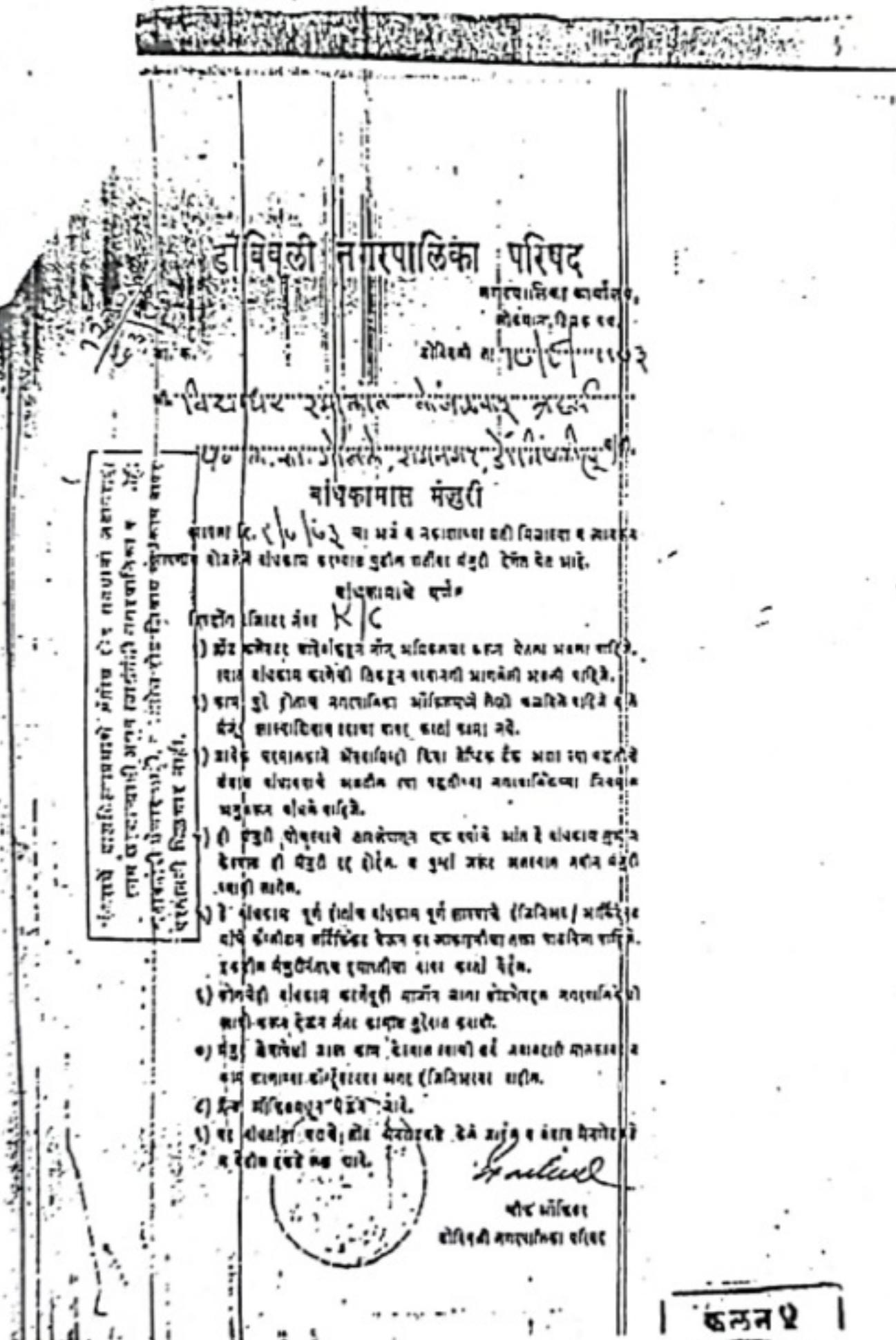
वाणिकामास मंजुरी

वापिकामास मरुरी वा प्रवं द नदियाप्या वही पिंगादा द नदिया
वो देवे वापिकाम द नदिया तुर्दील वहीरा वंडुरी लैंग देव भाटे,

શાલુદાસાહે દાની

- 1) शेष लोगों की दृष्टि ने अधिकारी का उत्तर देखा था कि यह
वास्तव मानसिक विद्युत प्राप्ति की भवनी परिवे.
2) काम द्वारा गतिशील अधिकारी ने उपरोक्त विवेद
द्वारा उत्तराधिकारी का उत्तर जारी करा दिया.
3) अधिकारी वास्तविक भौतिक दृष्टि के अनुरूप
विवेद वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर दिया.
4) शेष वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर दिया गया था कि
वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर वास्तविक विद्युत
प्राप्ति का उत्तर दिया गया था.
5) शेष वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर दिया गया था कि
वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर वास्तविक विद्युत
प्राप्ति का उत्तर दिया गया था.
6) शेष वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर दिया गया था कि
वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर वास्तविक विद्युत
प्राप्ति का उत्तर दिया गया था.
7) शेष वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर दिया गया था कि
वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर वास्तविक विद्युत
प्राप्ति का उत्तर दिया गया था.
8) शेष वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर दिया गया था कि
वास्तविक विद्युत प्राप्ति का उत्तर वास्तविक विद्युत
प्राप्ति का उत्तर दिया गया था.

શ્રીદ ખોદિયા



५३९

